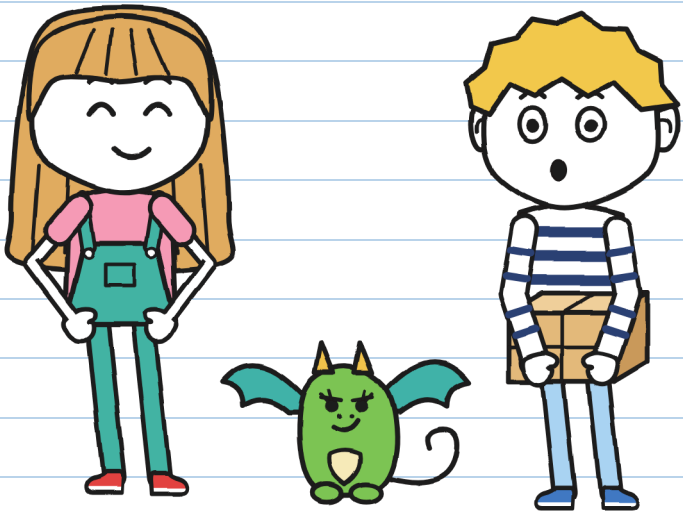
नामुमकिन डिलीवरी · 1

यह पार्सल काटता है

Lui Eriksson



(गुनी की डायरी)

साइज़ L
उन्नत स्तर · 11+

नामुमकिन डिलीवरी · 1
यह पार्सल काटता है

लेखन और चित्र: Lui Eriksson

साइज़ L · उन्नत स्तर · 11+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

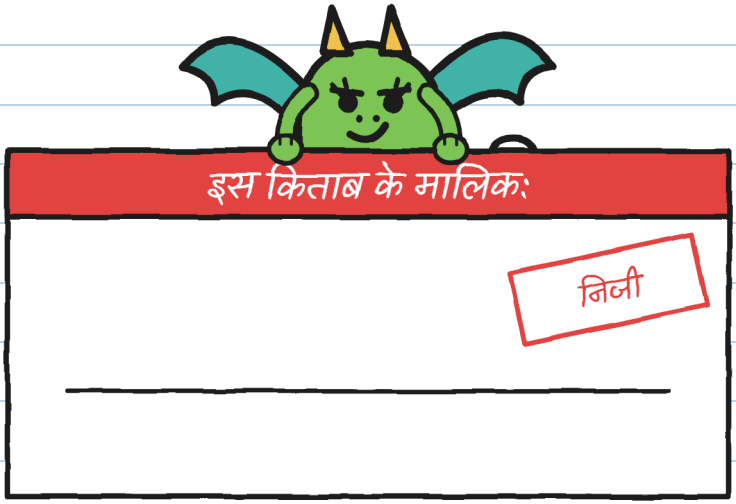
© 2026 Lui Eriksson · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

इस किताब को लिखते समय कोई पार्सल घायल नहीं हुआ। लगभग कोई नहीं। —ज.

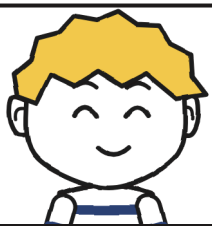


और किसी का नहीं। –ज.

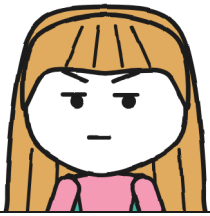
अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो सुबह होने से पहले लौटा देना।

चूरा काटती है क्योंकि वह एक कहानी में रहती है। असली जानवर से मिलो, तो पेज 76 देखो। –ज.

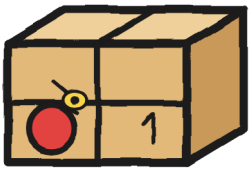
कौन कौन है



गुनी। मोहल्ले में नया लड़का। प्रोफेशनल डिलीवरी बॉय (लगभग)। यह डायरी उसकी है।



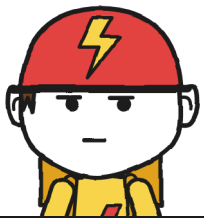
जूलिता। वह हरे रंग से लिखती है, और जो वह हरे रंग से लिखती है, वह कभी मिटता नहीं।



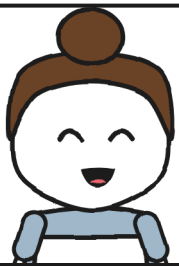
पार्सल नंबर 1। गंतव्य: ड्रैगनों का घर। निर्देश: गर्म रखें।



माशा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। उनका बस एक ही नियम है।



टोन्यो। "बिजली" का डिलीवरी बॉय। बहुत ही तेज़ी से बहुत ही बोरिंग चीज़ें पहुँचाता है।



एलिया। बेकरी वाली। उनकी जाली से ओवन की गर्म हवा निकलती है।

डिलीवरी डायरी
गुनी की

निजी।

"निजी" का मतलब है कि इसे पहले मैं पढ़ूँगी। –ज.

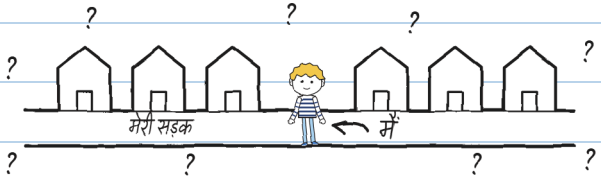


यह डायरी शिफ्टिंग वाले डिब्बे नंबर 14 से निकली। डिब्बे पर पूरे यक़ीन के साथ "रसोई" लिखा था, लेकिन अंदर एक बेचारी-सी चम्मच तक नहीं थी: बस यह डायरी, बिना जोड़ी वाला एक मोज़ा और एक रबर का मेंढक, जो किसी का नहीं है।

अध्याय 1

जो पहुँचाया नहीं जा सकता

मुझे इस मोहल्ले में आए चार दिन हो गए हैं और फ़िलहाल मैं ठीक एक ही सड़क जानता हूँ। हाँ, पूरी की पूरी जानता हूँ।

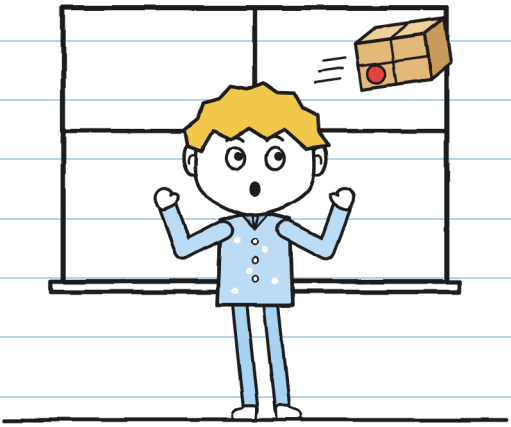


दोस्त बनाने का मेरा प्लान:

1. नमस्ते बोलना।
2. कोई दिलचस्प बात बोलना।
3. ???

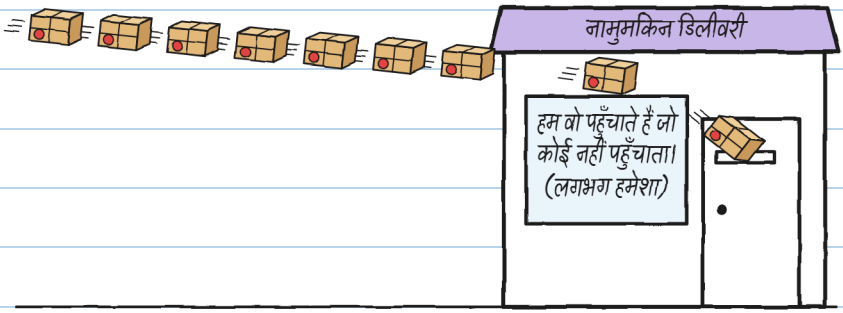
मैं पॉइंट 2 पर अटक गया; पॉइंट 3 का कुछ अता-पता नहीं।

आज सुबह मेरी खिड़की के सामने से कोई चीज़ उड़ती हुई निकली और मेरी नींद खुल गई। मेरी सड़क पर ऐसी चीज़ें आम तौर पर नहीं निकलतीं। या कम से कम मैं तो यही समझता था।



वह एक पार्सल था।

फिर एक और निकला, और उसके बाद एक और: नौ पार्सल क़तार में, बत्तखों की तरह, जो सड़क पार करके सामने वाली दुकान के लेटर बॉक्स में घुस गए। (बाक़ी ग्यारह, जैसा कि मुझे बाद में पता चला, पहले ही लौट चुके थे, जब मैं घोड़े बेचकर सो रहा था।)

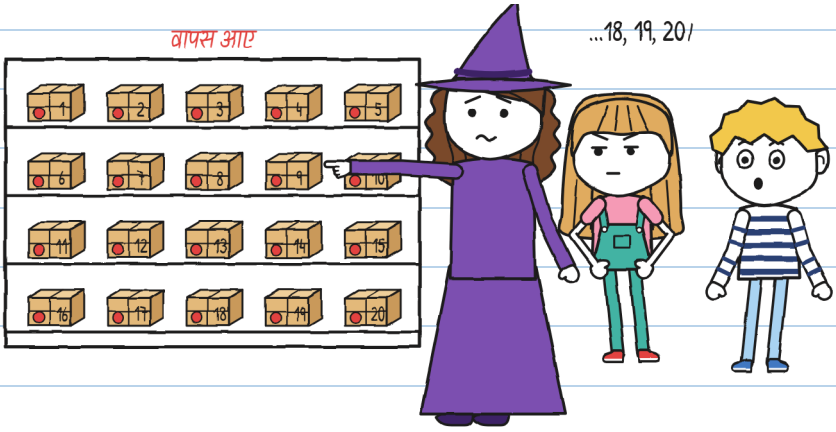


पॉइंट 2 मेरे पास था: "मैंने उड़ते हुए पार्सल देखे हैं।"

यह दिलचस्प बात नहीं है। ऐसा तो बहुत होता है।

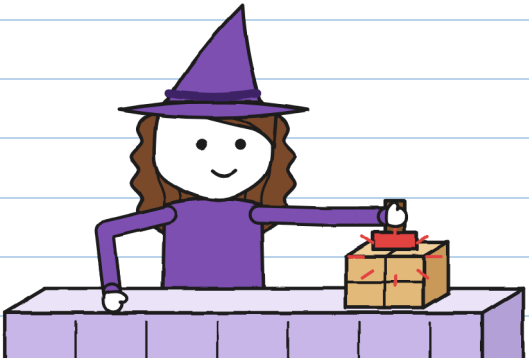
यह नोट जूलिता ने लिखा है, जिससे मैं आज सुबह ही सामने वाली दुकान में मिला था। वह हरे रंग से लिखती है, और जो वह हरे रंग से लिखती है, वह कभी मिटता नहीं: मैंने आज़माकर देखा है।

मैंने पजामे के ऊपर धारीदार स्वेटर पहन लिया और सड़क पार कर ली, इससे पहले कि मुझे ऐसा न करने की कोई अच्छी वजह सूझ जाए।

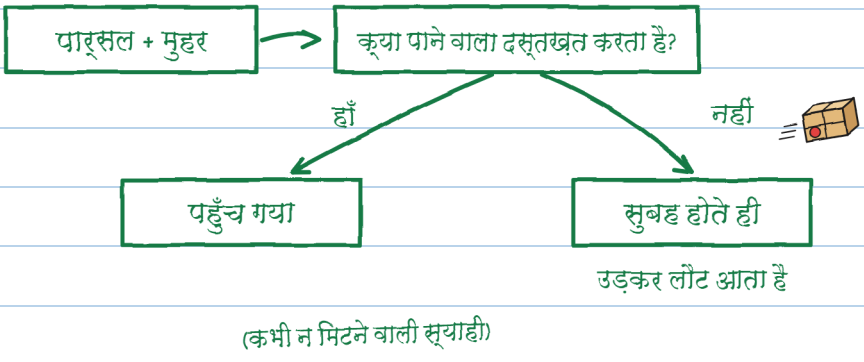


"सब वापस आ गए हैं," जादूगरनी ने आह भरकर कहा।
"फिर से।"

जादूगरनी का नाम माशा है। उनकी नामुमकिन डिलीवरी की एक दुकान है, और एक मुहर भी, जो ऐसे चमकती है मानो उसने बल्ब निगल लिया हो।



जूलिता ने मुझे यह मेरी ही डायरी में समझाया, मुझसे इजाज़त माँगने की ज़हमत उठाए बिना:



(कभी न मिटने वाली स्याही)

ऐसे कोई पार्सल खोता नहीं। और पहुँचता भी नहीं।

शेल्फ़ पर रखे वापस आए पार्सल: बीस, जिन्हें आज तक कोई नहीं पहुँचा पाया, और ऊपर से सब एक ही व्यक्ति के भेजे हुए।

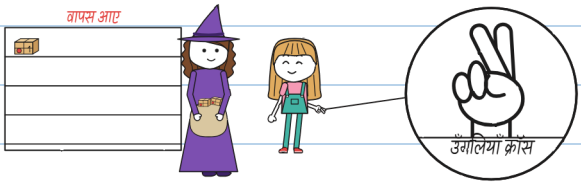
गंतव्य: ...
प्रेषक: R.

"R. कौन है?" मैंने पूछा।
"कोई, जिसकी लिखावट बहुत ख़राब है," मारा ने कहा, और कुछ नहीं बताया।

उन्होंने वापस आए उन्नीस पार्सल बोरे में डाल लिए: उस रात उन्हें एक पियानो लाइटहाउस पहुँचाना था और सबको फिर आज़माना था; वे सुबह होते ही लौटने वाली थीं। सिर्फ़ एक रह गया।

"वो वाला नहीं पहुँचाया जा सकता," मारा ने चेताया। "बस एक नियम है: शेल्फ़ को हाथ मत लगाना।"

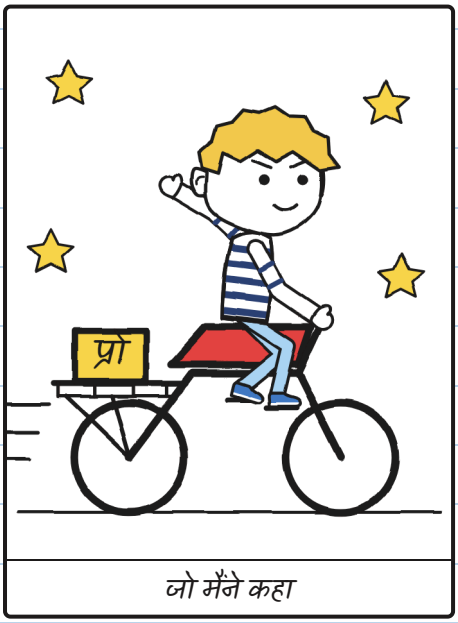
"हाँ-हाँ, बिल्कुल," जूलिता ने यक़ीन दिलाते हुए कहा।



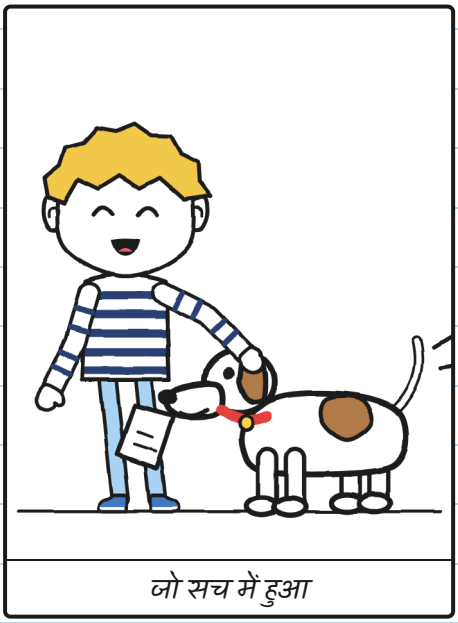
दरवाज़ा बंद होते ही जूलिता ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा, जैसे कोई पार्सल लेने से पहले उसका नाप-तौल करता है।
"तुम्हें डिलीवरी करना आता है?"

और मैंने वही जवाब दिया जो कोई भी देता है जिसे दोस्त बनाने की बड़ी इच्छा हो:

"हाँ। अपने पुराने मोहल्ले में मैं प्रोफेशनल डिलीवरी बॉय था।"



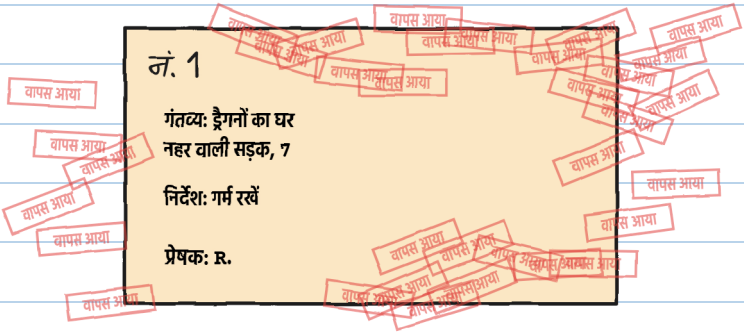
जो मैंने कहा



जो सच में हुआ

नाम का प्रोफेशनल।

जूलिता ने इकलौता बचा हुआ पार्सल निकाला: नंबर 1, जो पहुँचाया नहीं जा सकता। उसके हाथ ज़रा-ज़रा काँप रहे थे; मेरे भी, हालाँकि मैं इसे बेहतर छिपा लेता था: मेरी पोल बस स्वेटर ने खोली, जो मैंने उलटा पहन रखा था।

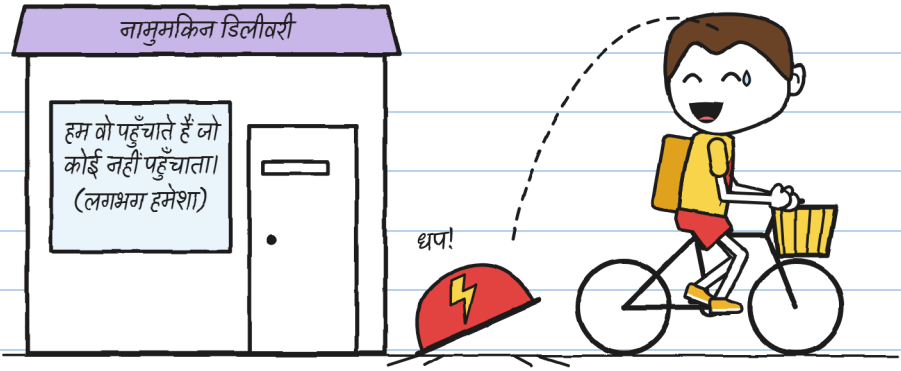


"अगर हमने इसे सुबह होने से पहले पहुँचा दिया," जूलिता ने तर्क दिया, "तो मारा आख़िरकार देखेंगी कि मैं वापस आए पार्सल पहुँचा सकती हूँ।"

"और अगर नहीं पहुँचा?"
"अगर नहीं, तो वह अपने आप लौट आएगा और यहाँ कुछ हुआ ही नहीं।"

मुझे यह प्लान बिना किसी झोल के एकदम पक्का लगा। मुझे अभी तक पता नहीं था कि अंदर क्या है।

साइकिल की घंटी बजी और दुकान के शीशे के उस पार हेलमेट पहने एक लड़का दिखाई दिया, जिसके पीले बैग पर चीख़-चीख़कर लिखा था: बिजली डिलीवरी। दस मिनट में या मुफ़्त।

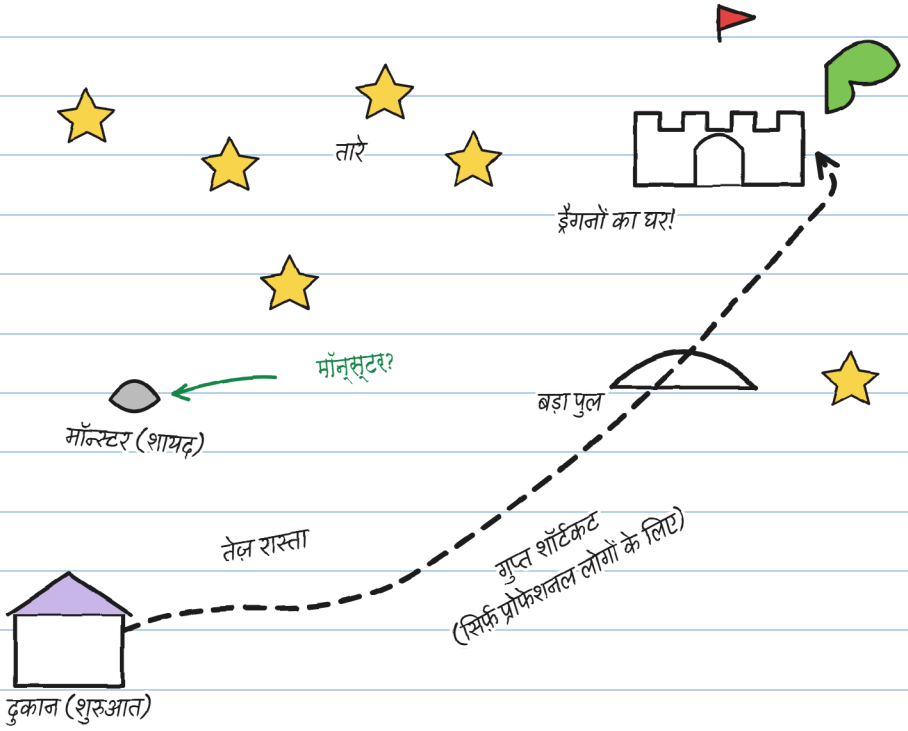


"नामुमकिन डिलीवरी?" उसने ताना मारा। "तुम लोगों से तो कुछ भी पहुँचाना नामुमकिन है।"

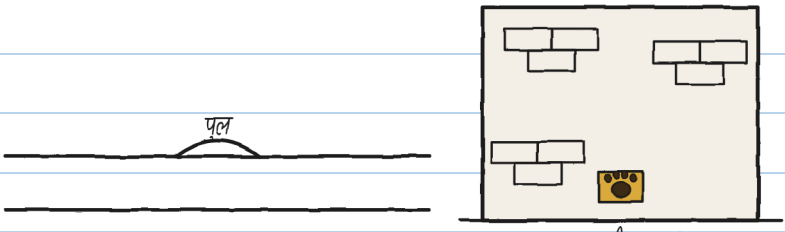
टोन्यो। बहुत ही तेज़ी से बहुत ही बोरिंग चीज़ें पहुँचाता है।

"तो आज हम यह पहुँचाएँगे," जूलिता ने बड़ी शान से जवाब दिया। टोन्यो ने "ड्रैगनों का घर" पढ़ा और इतने ज़ोर से हँसा कि उसका हेलमेट गिर पड़ा।

मैंने डिलीवरी का नक़्शा बनाया, क्योंकि प्रोफेशनल डिलीवरी बॉय नक़्शे बनाते हैं, और मैं आज सुबह से ही एक था।



तारे रास्ते में नहीं हैं।



नहर वाली सड़क, १

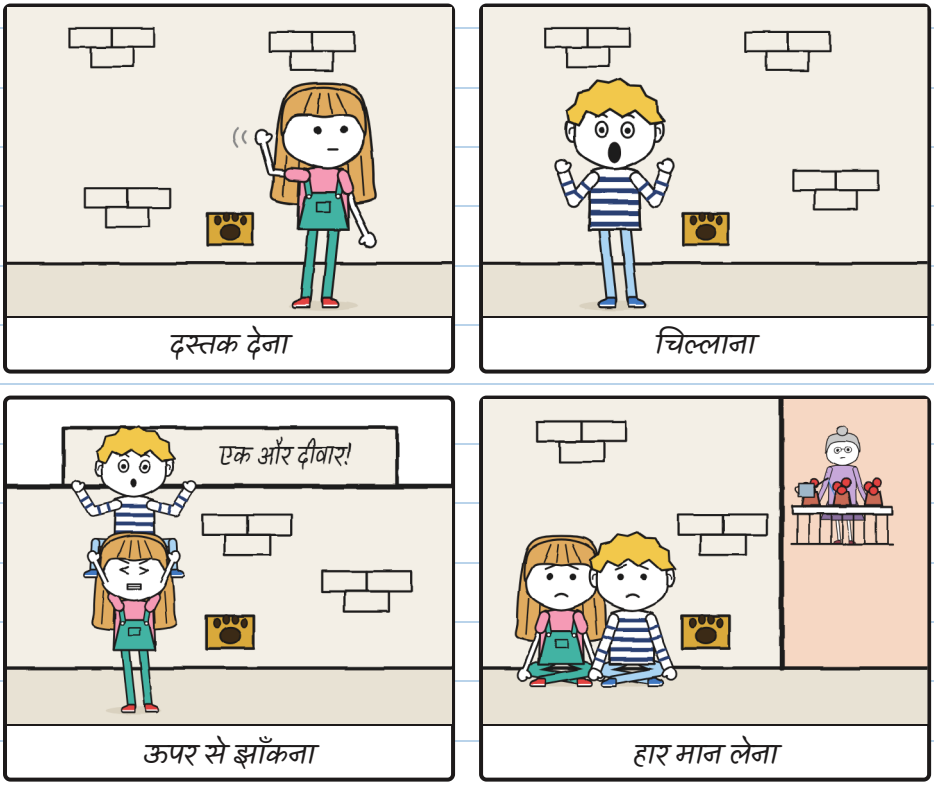
नहर वाली सड़क, १ कोई घर नहीं था। वह एक दीवार थी।

एक चिकनी दीवार, जिसमें न दरवाज़े थे, न खिड़कियाँ, ऐसी कि उस पर मक्खी भी फिसल जाए। उसमें बस एक ही चीज़ थी, बहुत नीचे, लगभग ज़मीन के बराबर: पीतल की एक तख़्ती, जिसमें अजीब आकार का एक खाँचा बना था, ठीक किसी बहुत छोटी चीज़ की ऊँचाई पर।


पीतल की तख़्ती

"शायद यह लेटर बॉक्स है," मैंने सुझाया। पार्सल तो आड़ा-तिरछा करके भी उसमें नहीं आता था।

हमने वह सब आज़माया जो एक दीवार के साथ आज़माया जाता है:



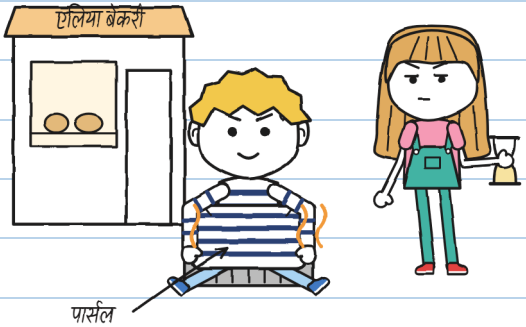
बगल वाले घर की बालकनी से एक आंटी हमें ऐसे देख रही थीं जैसे यह सब वे हज़ार बार देख चुकी हों, और साथ-साथ अपने गमलों में पानी भी दे रही थीं।

"यह पार्सल सालों से आ रहा है," उन्होंने यूँ ही कहा। "हर बार जैसा आता है, वैसा ही लौट जाता है।"

इतनी ठंड थी कि हवा आस्तीनों में घुसी जा रही थी, और जूलिता ने लेबल फिर से पढ़ा।
"'गर्म रखें,'" उसने कहा। "और यह सालों से बर्फ़ जैसे ठंडे शेल्फ़ पर पड़ा है।"

मैं नया हूँ, और हम नए लोग अभी निर्देशों को अक्षर-अक्षर मानते हैं: अगर किसी चीज़ पर "गर्म रखें" लिखा हो, तो मैं उसे गर्म रखता हूँ।

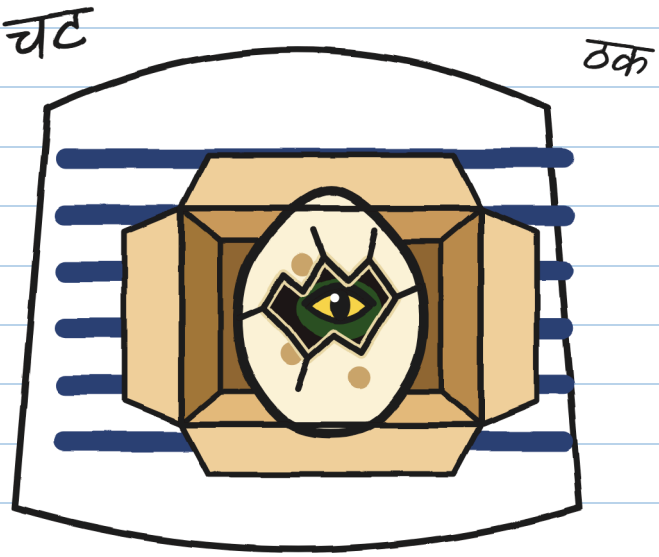
मैंने पार्सल स्वेटर के नीचे डाल लिया, हमने फिर बड़ा पुल पार किया और मैं एलिया की बेकरी की जाली पर बैठ गया, जहाँ से ओवन की गर्म हवा निकलती है।



तुम तो फ़्रेगनेंट लेटर बॉक्स लग रहे हो।

हम काफ़ी देर ऐसे ही बैठे रहे, ब्रेड की उस ख़ुशबू में डूबे हुए जिससे किसी का भी पेट गुड़गुड़ाने लगे, और मुझे पसीना आने लगा था। तभी किसी चीज़ ने मेरे पेट पर दस्तक दी: ठक।

"क्या वह तुम्हारा पेट था?" जूलिता ने भौंह उठाकर पूछा।
"मेरा पेट ठक नहीं करता।"



और पार्सल ने मुझे देखा।

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L में वही पन्ने और वही चित्र हैं। XL एक उपन्यास है। बस कहानी सुनाने का तरीक़ा बदलता है।

साइज़ XXS · PRE-A1
आक्छी, ड्रैगन नन्ही लौ छींकती है!

साइज़ XS · A1
मैंने आम छींक मारी। उसने नन्ही लौ छींकी। लौ से लेबल का कोना जल गया।

साइज़ S · A2
मैंने ऐसे ही आम छींक मारी। उसने एक नन्ही-सी लौ छींकी। उस लौ से लेबल का एक कोना जल गया। फिर बच्ची ने वह कोना खा लिया।

साइज़ M · B1
मैं आम तरह से छींका, पर उसने एक नन्ही-सी लौ छींकी जिससे लेबल का कोना जल गया। फिर उसने वह जला हुआ कोना खा लिया।

साइज़ L · B2
मैं आम तरह से छींका; उसने, इसके उलट, एक नन्ही-सी लौ छींकी जिसने लेबल का कोना झुलसा दिया और फिर, बिल्कुल इत्मीनान से, वह झुलसा हुआ कोना खा लिया।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+

CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। कहानी वही। —ज.

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो